श0दु0म0 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला (देहरादून)

शिक्षक आचार संहिता

शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है शिक्षक का दायित्व होता है कि वह पेशे से आदर्शों के अनुरूप अपने आचरण को बनाए रखे। एक शिक्षक लगातार अपने छात्रों और समाज की समीक्षा के अधीन रहता है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसकी कथनी और करनी के बीच कोई भेद नहीं हो। पहले से ही निर्धारित शिक्षा के राष्ट्रीय आदर्शों और उन्हें छात्रों के मध्य प्रसार करना एक शिक्षक का स्वयं का आदर्श होना चाहिए। इस व्यवसाय में आगे यह भी आवश्यक कि शिक्षक शांत, धैर्यवान, मिलनसार और मैत्रीपूर्ण स्वभाव का हो।

एक शिक्षक –को :

1. ऐसा जिम्मेदारी भरे आचरण तथा व्यवहार का पालन करना चाहिए जैसा कि समुदाय उनसे आशा करता है।
2. उन्हें अपने निजि मामलों का इस प्रकार से प्रबंधन करना चाहिए जो कि पेशे की प्रतिष्ठा के अनुरूप में हो।
3. अध्ययन और शोध के माध्यम से लगातार पेशेवर विकास जारी रखना चाहिए।
4. ज्ञान के क्षेत्र में योगदान देने के लिए पेशेवर बैठकों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों इत्यादि में भागीदारी करके मुक्त और मैत्रीपूर्ण विचार व्यक्त करने चाहिए।
5. पेशेवर संगठनों में सक्रिय सदस्यता को बनाए रखना चाहिए और उनके माध्यम से शिक्षा व्यवसाय को बहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए।
6. विवेकपूर्ण और समर्पण भावना से शिक्षण, अनुशिक्षण, प्रायोगिक ज्ञान, संगोष्ठियों और शोध कार्य के रूप मे अपने कर्तव्यों का निष्पादन करना चाहिए;
7. शिक्षण और शोध में साहित्य चोरी और अन्य अनैतिक व्यवहार में शामिल नहीं होना और उन्हें हतोतसाहित करना चाहिए।
8. विश्वविद्यालय के अधिनियम, सांविधि और अध्यादेश का पालन करना चाहिए और विश्वविद्यालयों के आदर्शों, विजन, मिशन, सांस्कृतिक पद्धतियों और परंपराओं का आदर करना चाहिए।
9. महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक दायित्वों से संबन्धित कार्यों का कियान्वयन करने में सहयोग और सहायता प्रदान करना जैसे कि प्रवेश हेतु आवेदनों का मूल्यांकन करने मे सहायता करना, छात्रों को परामर्श देना और उनका मार्गदर्शन और निगरानी करना पर्यवेक्षण और मूल्यांकन करने सहित विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में परीक्षाएं आयोजित कराने में सहायता करना।
10. सामुदायिक सेवा सहित सह–पाठ्यचर्या और कार्यकलापों के विस्तार में भागीदारी करना।
11. छात्रों, कर्मचारियों एवं अभिभावकों से सौहाद्रपूर्ण व्यवहार बनाऐ रखना चाहिए।
12. महाविद्यालय के विकास में अपना यथोचित पूर्ण योगदान करना चाहिए।

Principal
S.D.M. Govt. PG College
Doiwala (Dehradun)

शहीद दुर्गामल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला (देहरादून)
3/2/2020

Scanned with CamScanner